

अपना दिमाग इस्तेमाल करो



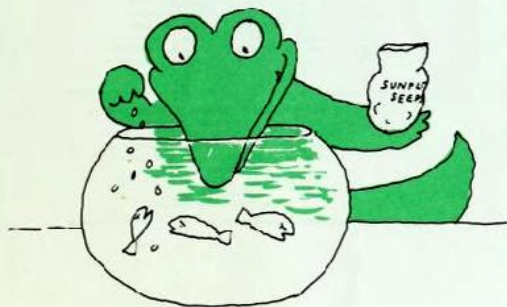
अलीकी, हिंदी : विदूषक

“अरे बाप रे,” माँ ने कहा. “चार्ल्स फिर से भूल गया!” हाँ, चार्ल्स सच में भूल गया था. वो बार-बार बातें भूलता था - बड़ा भुल्लकड़ था. हाथ में जो काम होता, उस पर उसका ध्यान ही नहीं रहता. इसी वजह से कूड़ेदान, फ्रिज में पहुँच गया और चार्ल्स खुद नहाने वाले बड़े टब में जाकर सो गया. कहने या डांटने का चार्ल्स पर कोई असर नहीं पड़ता था. अंत में चार्ल्स की बर्थडे आई. उस दिन पिताजी ने चार्ल्स को एक अनूठा उपहार दिया.

इस पुस्तक को पाठकों ने बहुत पसंद किया है.



अपना दिमाग इस्तेमाल करो



अलीकी, हिंदी : विदूषक





पंद्रह कबूतर बगीचे के दरवाज़े के पास  
चुग्गे का इंतज़ार कर रहे थे.

“अरे बाप रे,” माँ ने कहा. “चार्ल्स उन्हें  
फिर से खिलाना भूल गया.”





अच्छे दिन चार्ल्स ब्रश से, पीठ की बजाए  
अपने दांत घिसता था.



वो खिड़की की बजाए दरवाज़े से बाहर जाता था.

और मिनी से खेलने के बाद उसे वापिस उसके पिंजड़े में रखता था.



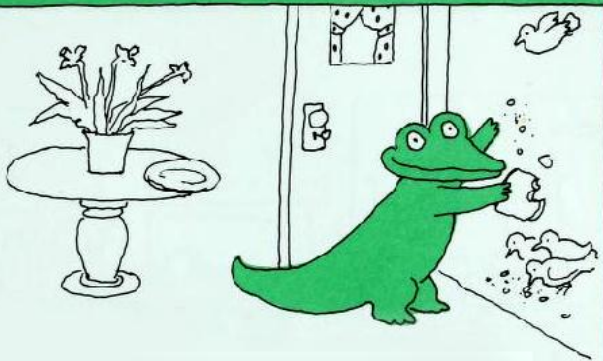




खराब दिन अगर माँ उससे कहती, "चार्ल्स यह  
सैंडविच अपने पिताजी को दे आओ,"

तो सारा पनीर मिनी को मिलता.





कबूतरों को डबलरोटी के टुकड़े मिलते.

और पिताजी को सिर्फ खाली प्लेट ही मिलती!



खराब दिनों में चार्ल्स कोई भी काम ठीक से नहीं करता था.

“छोटी बेबी मार्शा को भी कूड़ेदान का ठिकाना मालूम है,” माँ ने फ्रिज का दरवाज़ा बंद करते हुए कहा. “ज़रा अपना दिमाग इस्तेमाल करो. अब तुम एक बड़े लड़के हो. अगले हफ्ते से तुम स्कूल जाओगे.”





“मुझे स्कूल का बेसब्री से इंतज़ार है,” चार्ल्स ने कहा.

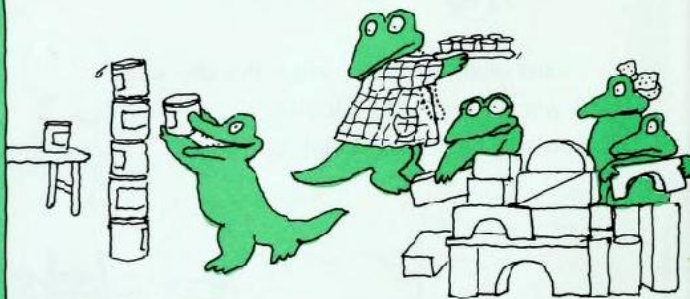
जब स्कूल जाने का दिन आया तो माँ ने कहा, “वहाँ तुम्हें बड़ा मज़ा आएगा.

तुम वहाँ पर पेंटिंग, कलाकारी और कई चीज़ें बनाना सीखोगे.”



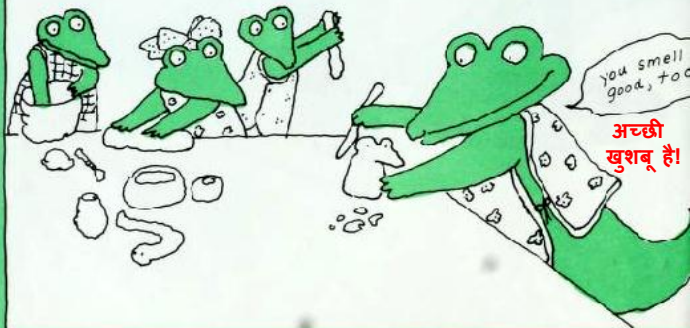
**खतरा!**

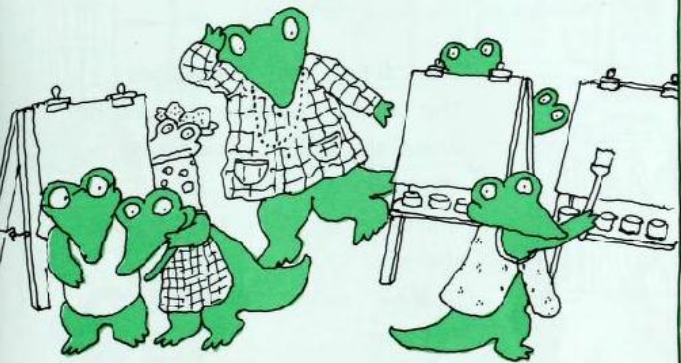
लोग काम कर रहे हैं.



चार्ल्स को स्कूल में बहुत मज़ा आता था. वो वहां पर हर चीज़ उल्टी-पुल्टी करता था.

वो पेंट से चीज़ें निर्माण करता, साबुन को तराशकर मूर्ती बनाता और लकड़ी के गुटकों को पेंट करता था.







“अब कहानी का समय है,” मिस क्रोक ने कहा.

सब बच्चे उनके पास आकर इकट्ठे हुए.

कहानी खत्म करने के बाद उनकी निगाह चार्ल्स पर गई.

“कोई फर्श पर लेटा सो रहा है,” उन्होंने कहा.

“चार्ल्स,” बच्चे चिल्लाए, “जल्दी उठो!”

फिर चार्ल्स उठा.

“क्या तुम थके हो?” मिस क्रोक ने पूछा.

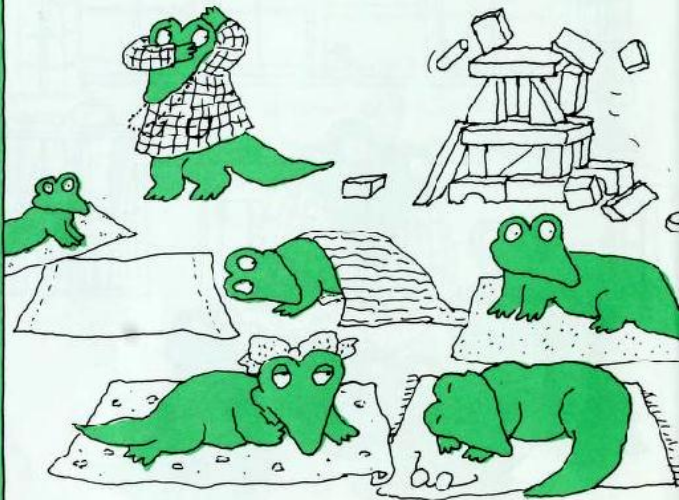
“बिल्कुल नहीं.”

“फिर तुम सो क्यों रहे थे?”

“जब माँ मुझे बेड में कोई कहानी सुनाती हैं तो मैं सो जाता हूँ.”

“पर मैंने तो तुम्हें सोने वाली कहानी नहीं सुनाई.”





बाद में बच्चों ने दूध पिया और बिस्कुट खाए.

अब बच्चों के आराम का समय था.

“चार्ल्स क्या तुम कृपा करके पर्दे बंद करोगे?”

मिस क्रोक ने पूछा.

“ज़रूर, शौक से,” चार्ल्स ने कहा.



वापिस आते समय चार्ल्स ने लकड़ी के गुटके गिराए फिर मटके को लात मारी, और अंत में मार्टिन के पंजे पर पैर रखा.

“मैं अँधेरे में भटक गया था,” चार्ल्स ने कहा.

“चलो, तुमने आज बहुत काम किया,” मिस क्रोक ने दुखी होते हुए कहा.



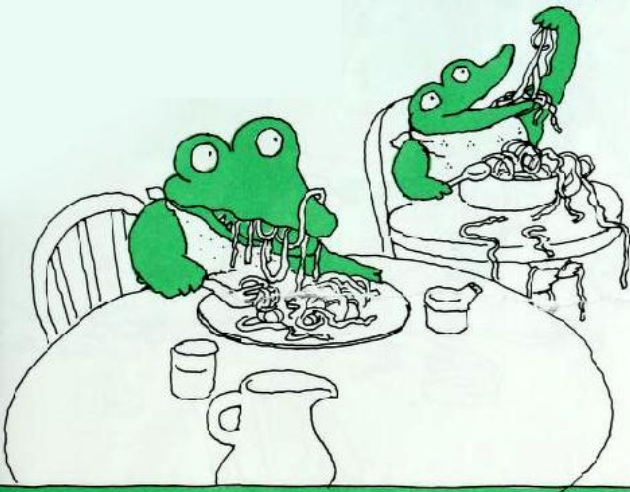
“आज स्कूल कैसा रहा?” माँ ने पूछा.

“बहुत अच्छा!” चार्ल्स ने कहा. “उन्होंने मुझे बहुत व्यस्त रखा, मुझसे बहुत काम करवाया.”

बाद में चार्ल्स और मार्शा, खाने तक खेलते रहे.

“देखो, फोन की घंटी बज रही है,” माँ ने कहा.

“तुम ज़रा मार्शा की नूडल्स खाने में मदद करो,  
चार्ल्स. हाँ, मेरा मतलब मार्शा से है न कि मिनी,  
चीकी या कबूतरों से.”



चार्ल्स ने मार्शा की नूडल्स खाने में मदद की.  
उसने नूडल्स को मार्शा के सर पर रखा और  
उन्हें एक रिबन से बाँध दिया.

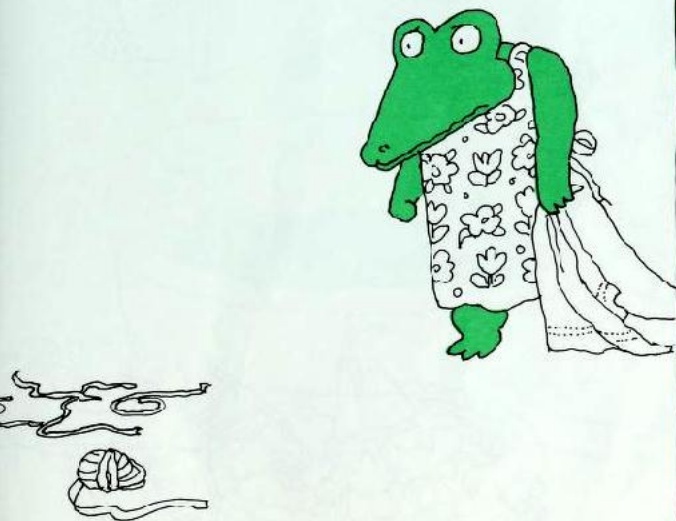


“मुझे नहीं पता कि तुम जैसे शरारती के साथ मैं क्या करूँ चार्ल्स,” माँ ने दुखी और हताश होकर कहा.

“मैंने तुम से कहा था कि अपने दिमाग का उपयोग करो.”

“मुझे माफ़ कर दो माँ,” चार्ल्स ने कहा.

“आपने मुझ से मदद करने को कहा था.”





“ठीक है,” माँ ने तंग होते हुए कहा.

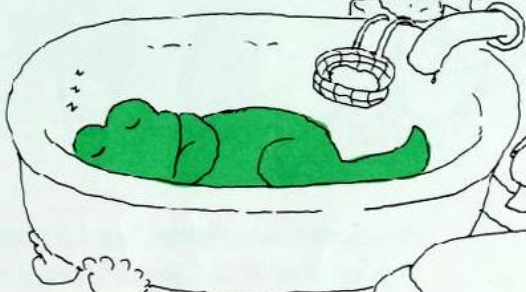
“अब देरी हो रही है. जाओ नहाने के टब में जाकर नहाओ. कुछ देर में मैं ठीक हो जाऊंगी.”

कुछ देर में जब माँ बाथरूम में गईं तब चार्ल्स टब में लेटा हुआ खर्रटें भर रहा था.



भगवान, मुझे  
ताकत दो!

Give me  
strength.





“तुम बहुत थकी लग रही हो,” पिताजी ने कहा.

“मैं सिर्फ थकी नहीं हूँ,” माँ ने कहा, “मैं पूरी तरह से पस्त हो चुकी हूँ और मैं अब गिरने वाली हूँ.”

“तुम क्यों इतनी परेशान हो?” पिताजी ने पूछा.



“देखो यह सब चार्ल्स की वजह से है,” माँ ने कहा.  
“वो जो काम करता है उसपर कोई ध्यान नहीं देता है.  
वैसे वो प्यारा बच्चा है और उसकी नियत अच्छी है.  
पर चार्ल्स बहुत जल्दी बातें भूल जाता है और हर चीज़  
में गलती करता है. हमें उसके लिए कुछ करना होगा.”





“तुमने सही बात पकड़ी,” पिताजी ने कहा. “पर हमें कुछ धीरज से काम लेना होगा. तुम्हें याद है जब वो छोटा था तो वो हमें कितना तंग करता था. वो कभी अपना मुंह बंद नहीं रखता था और सब गलत चीज़ें खाता था? अब वो उन गलतियों को नहीं करता है. वो जल्द ही सीख जाएगा.”

“मुझे नहीं पता कि मैं इतनी देर धीरज और सब्र रख पाऊंगी,” माँ ने कहा. “पर मैं कोशिश ज़रूर करूंगी.”

अगले कुछ हफ्तों में माँ ने चार्ल्स की पूरी मदद की.

चार्ल्स को बातें याद रहें उसके लिए वो उसके हाथों और पैरों की उँगलियों में डोरियाँ बांधती थीं.





माँ ने चार्ल्स की हैट से लेबल लटकाए.





माँ ने चार्ल्स की पूँछ में एक गाँठ बाँधी.

“शायद इससे चार्ल्स को कुछ मदद मिले,”  
उन्होंने बड़ी आशा के साथ कहा.

पर उससे कोई फायदा नहीं हुआ.



बढ़िया  
मौसम है!

बत्तखों के लिए.

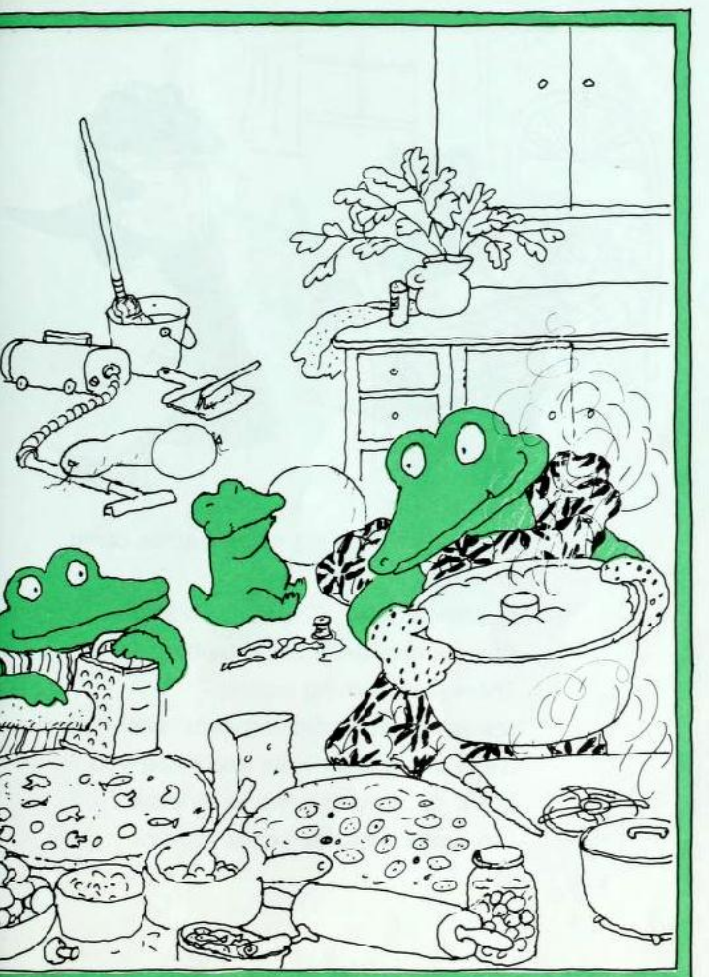


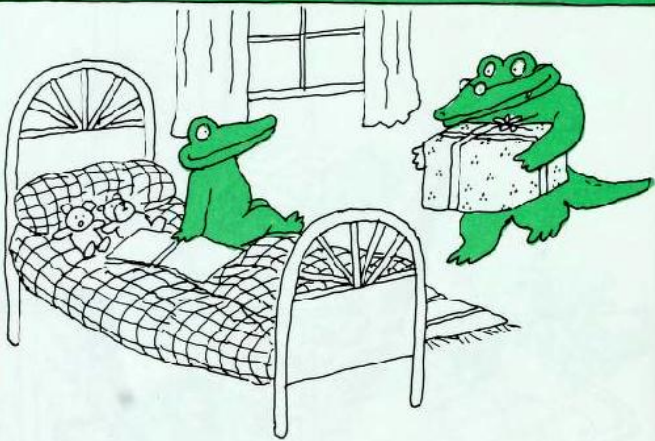
एक दिन माँ अचानक चार्ल्स के कमरे में गईं.

“हैप्पी बर्थडे चार्ल्स!” माँ ने कहा. “आज तो तुम्हारा जन्मदिन है. चलो हम सब मिलकर पार्टी की तैयारी करें.”

फिर सबने मिलकर घर साफ़ किया.

उन्होंने एक केक पकाया और पिज़्ज़ा बनाए.



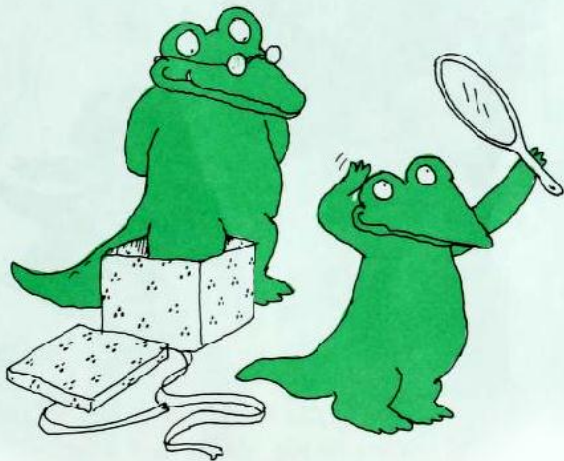


जब पिताजी एक बड़ा डिब्बा लेकर आए तब चार्ल्स आराम कर रहा था.

“हैप्पी बर्थडे चार्ल्स!” पिताजी ने कहा.

चार्ल्स ने खुशी-खुशी डिब्बे को खोला. पर डिब्बा अन्दर से खाली था.

“डिब्बे में एक अद्भुत सोचने वाली टोपी है,” पिताजी ने कहा. “यह टोपी कभी नहीं खोएगी. और जब तुम इसे पहनोगे तो यह हमेशा काम करेगी. मुझे पता है, क्योंकि मैंने यह टोपी बरसों पहनी है.”

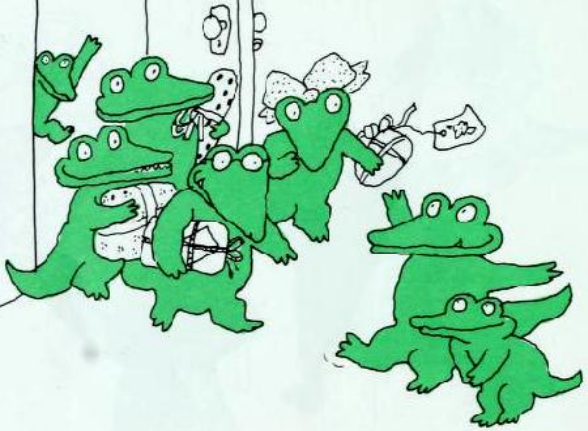


“बहुत धन्यवाद, पिताजी,” चार्ल्स ने कहा.

उसके बाद उसने सोचने वाली टोपी पहनी.

उसने कुछ देर खुद को आईने में निहारा.

तभी दरवाज़े पर खट-खट हुई. वो दरवाज़ा खोलने के लिए लपका.



“हैप्पी बर्थडे चार्ल्स!” उसके दोस्तों ने कहा.

फिर सब बच्चों ने खेल खेले, वे हँसे और उन्होंने  
खूब शोर मचाया.

बच्चों ने पिज़्ज़ा खाया और सेब का जूस पिया.

“अब तुम हमारे लिए उपहारों को देखो” बच्चों ने  
उत्साहित होते हुए कहा.

वाह! वाह!

Bow WOW

HA HA







मार्टिन ने चार्ल्स को धूप का चश्मा दिया.

“इससे मैं अँधेरे में खोऊंगा नहीं,” चार्ल्स ने कहा.

स्टेला ने उसे एक दिशा-सूचक कंपास दिया.

“इससे मुझे सही रास्ता पता चलेगा,” उसने कहा.

नोएल ने उसे एक स्केल दिया.

“कहाँ कितनी देर रुकना है, इससे मुझे यह पता चलेगा.” उसने हँसते हुए कहा.



हेलेन ने उसे एक-दूसरे के ऊपर रखने वाले कप दिए.

“इनमें मैं अपने पालतू जानवरों के अलग-अलग

भोजन रखूंगा,” चार्ल्स ने उत्साहित होते हुए कहा.

कैनइयो ने उसे एक किताब दी.

“इसे मैं सोने से पहले पढ़ूंगा,” चार्ल्स ने कहा.



मार्शा ने चार्ल्स की ओर एक डिब्बा बढ़ाया.

उसमें डोरी का एक गोला था.

“अब मैं नूडल्स वाला जादू, नूडल्स के बिना कर सकूंगा,” चार्ल्स ने कहा.

माँ ने चार्ल्स को एक घड़ी दी.

“यह घड़ी तो वाटरप्रूफ है,” चार्ल्स ने कहा.

“इसे मैं टब में पानी भरते समय भी पहन सकूंगा.”



जन्मदिन के बड़े केक को देखकर सबने तालियाँ बजाईं.

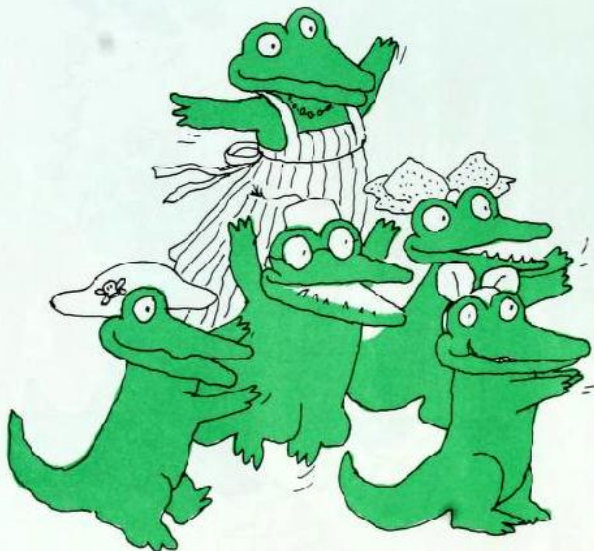
“अब तुम अपनी कोई इच्छा बताओ,” मार्टिन ने कहा.

“मुझे कुछ पता नहीं,” चार्ल्स ने कहा.

“अपना दिमाग इस्तेमाल करो,” माँ ने कहा.

“बिल्कुल ठीक!” चार्ल्स ने कहा.

फिर उसने सारी मोमबत्तियाँ एक साँस में बुझा दीं.





हैप्पी बर्थडे चार्ल्स

“अब तुम्हारी इच्छा ज़रूर पूरी होगी,” मार्शा ने कहा.

“मेरी इच्छा तो पहले ही पूरी हो चुकी है,” चार्ल्स ने कहा.





हैप्पी  
बर्थडे  
चार्ल्स





yee hoo  
1

जब **अलीकी** बच्चों की किताबों पर काम नहीं कर रही होती हैं तो वो घर में अपने पति और बच्चों के लिए खाना बनाती हैं. या फिर वो अपने बगीचे में फूलों की देखभाल करती हैं.

अपना दिमाग इस्तेमाल करो



अलीकी, हिंदी : विदूषक